Monthly advisory to the farmers April

- नयी तुड़ी से होने वाले पेट बंधे से बचाव करें|
- शुरुवात में नयी तूड़ी तुड़ी पशु को कम मात्रा में खिलाएं|
- तुड़ी में मिटटी ना हो, इसके बचाव के लिए तुड़ी छान कर या भिगो कर दें|
- पेट बंधे से बचाव हेतु नयी एवं पुरानी तुड़ी को मिलाकर दे|
- साथ में सेंधा नमक, हींग, हरड, मोती सौफ इत्यादि दे|
- गर्मी से बचाव हेतु पशुओं को खुले के बजाय शेड में बांधे, सीधी हवा/लू ना लगने दें|
- गर्मी से दूध घटने से बचाव हेतु साफ़ पानी की उपलब्धता 24 घंटे बनाएं रखे|